समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

सागर मे शिवलिंग तोड़ने से भड़का माहौल, हिंदूवादी संगठनों ने सड़के जाम कीं; आरोपी के घर बुलडोजर चलाने की मांग

Publisher

Published on 04 Nov 2025

सागर, मध्य प्रदेश: मध्य प्रदेश के सागर शहर में एक मंदिर में शिवलिंग तोड़ने की घटना ने पूरे इलाके में तनाव पैदा कर दिया है। यह घटना उस समय सामने आई जब स्थानीय लोगों ने बताया कि एक युवक ने मंदिर की जलहरी को जानबूझकर क्षतिग्रस्त कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। उन्होंने मुख्य सड़कें जाम कर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाया कि आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाया जाए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि मंदिर और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इस प्रकार की घटनाओं को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। उन्होंने आरोपी को हिरासत में लिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने अपनी गलती स्वीकार की है और फिलहाल उसे न्यायिक हिरासत में रखा गया है।

स्थानीय प्रशासन ने भी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी है। आसपास के मंदिरों में सतर्कता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

इस घटना ने सोशल मीडिया पर भी तूल पकड़ लिया है। कई लोगों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी सुझाव दिया कि ऐसे मामलों में मंदिर और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए जाएं।

स्थानीय हिंदू संगठन के नेताओं का कहना है कि यह घटना केवल एक व्यक्ति की गलती नहीं है, बल्कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा में

लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी सुरक्षा उपाय अपनाए जाएं।

विशेषज्ञों के अनुसार, मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हमले केवल धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं करते, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सौहार्द पर भी असर डालते हैं। इसलिए प्रशासन और समुदाय दोनों को मिलकर जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

घटना के बाद सागर शहर में तनाव की स्थिति के बावजूद प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि कानून और न्याय व्यवस्था के तहत ही कार्रवाई होगी। बुलडोजर चलाने जैसी मांगों पर फिलहाल कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही निर्णय लिया जाएगा।

मामले की जांच अभी जारी है, और पुलिस ने स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की अफवाहें और हिंसा को बढ़ावा न दिया जाए। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ मंदिर की सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल बढ़ाए गए हैं।

इस घटना ने यह दिखाया है कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। प्रशासन, समुदाय और धर्मगुरुओं को मिलकर ऐसे मामलों को रोकने के लिए आगे आना होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.